



启蒙文库



易经

Y I J I N G

中华五千年传统文化精华



图文版

10元本

内蒙古少年儿童出版社

NEIMENGGU SHAO NIAN ER TONG CHU BAN SHE

易经

陈梦瑶 编绘

内蒙古少年儿童出版社

11-2-8/57

⑧ 启蒙文库

易经

陈梦瑶 编绘

内蒙古少年儿童出版社出版

(通辽市霍林河大街 24 号)

责任编辑:马图雅 责任校对:李延良

北京人民文学印刷厂印刷

内蒙古新华书店发行 各地新华书店经销

开本 787×1092 毫米 1/32 印张:150 字数:1300 千字

2002 年 1 月第一版 2002 年 1 月第一次印刷

印数:1-10000 套

ISBN7-5312-1463-6/1·351

全 15 册定价 150.00 元

(本书如发现印装质量问题请直接与承印厂调换)

目 录

周易上经

乾卦第一	(3)
坤卦第二	(21)
屯卦第三	(32)
蒙卦第四	(39)
需卦第五	(44)
讼卦第六	(49)
师卦第七	(55)
比卦第八	(60)
小畜卦第九	(65)
履卦第十	(70)
泰卦第十一	(75)
否卦第十二	(80)

同人卦第十三	(85)
大有卦第十四	(90)
谦卦第十五	(94)
豫卦第十六	(99)
随卦第十七	(104)
蛊卦第十八	(109)
临卦第十九	(114)
观卦第二十	(120)
噬嗑卦第二十一	(124)
贲卦第二十二	(129)
剥卦第二十三	(134)
复卦第二十四	(139)
无妄卦第二十五	(143)
大畜卦第二十六	(148)
颐卦第二十七	(152)
大过卦第二十八	(157)
坎卦第二十九	(162)
离卦第三十	(167)

周易下经

咸卦第三十一	(175)
恒卦第三十二	(180)
遁卦第三十三	(185)
大壮卦第三十四	(190)
晋卦第三十五	(194)
明夷卦第三十六	(198)
家人卦第三十七	(203)
睽卦第三十八	(208)
蹇卦第三十九	(213)
解卦第四十	(217)
损卦第四十一	(222)
益卦第四十二	(226)
夬卦第四十三	(231)
姤卦第四十四	(236)
萃卦第四十五	(240)
升卦第四十六	(245)

困卦第四十七	(249)
井卦第四十八	(254)
革卦第四十九	(259)
鼎卦第五十	(264)
震卦第五十一	(269)
艮卦第五十二	(274)
渐卦第五十三	(278)
归妹卦第五十四	(282)
丰卦第五十五	(287)
旅卦第五十六	(292)
巽卦第五十七	(297)
兑卦第五十八	(301)
涣卦第五十九	(305)
节卦第六十	(309)
中孚卦第六十一	(313)
小过卦第六十二	(317)
既济卦第六十三	(322)
未济卦第六十四	(326)

周易上经

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------

乾卦第一

【题解】

本篇卦象以六十四卦的纯阳之数☰表天。其用为乾，乾的含义是健，而天在古代指的是太阳，太阳运转不息，永放光芒，其特征与“健”正好吻合。《象》曰：“天行健。”言天道刚健运行不息也。《易经》六十四卦，《乾》卦排在第一，说明《易经》强调阳刚力量在决定事物发展的矛盾中居于主要地位。

本卦六爻，从初九到上九，显示了阳刚力量从萌发到成长、旺盛以至面临衰弱的起伏过程。从象征喻意的角度看，《乾》卦勉励人应立足于奋发进取，但进取方向要注意顺应开势，或向外以建立功业，或向内以提高德行。

【原文】

☰^①乾^②。元亨，利贞^③。

彖^④曰：大哉乾元！万物资始，乃统天。云行雨施，品^⑤物流行。大明终始，六位时成，时乘六龙以御天。乾道变化，各正性命，保合太和，乃利贞。首出庶物，万国咸宁^⑥。

彖^⑦曰：天行健，君子以自强不息。

【注释】

①☰：《易经》乾卦卦形，由八卦中的乾卦相重而成，为纯阳之卦。

②乾，卦名，《易经》六十四卦中的首卦。乾代表天，象征至刚至阳。

③元亨，利贞：乾卦的卦辞。元的意思是大；亨为通；贞在这里是占问的意思。

④彖（tuàn）：《周易》中统括一卦之辞。《周易》中有《上彖》《下彖》两篇，相传为孔子所作，它与《象》、《文言》、《系辞》、《说卦》、《序卦》、《杂卦》等合称为《十翼》。

⑤品：众。

⑥咸宁：咸，皆。宁，安宁。

⑦彖：彖辞，《周易》十翼之一。

【大意】

乾卦。占得此卦。办事十分顺利，利于占问。

彖辞说：天真伟大啊！万物萌生，都要依靠它。它行云施雨，万物才能化成。日月终而复始地运行，象征六气的六爻生成，天乘六气以统御万物。天道变化，使万物各自遵循四季周期生长，保持合和的关系，这就是卦辞所说的利贞。天使众物丰盛，万国都得到安宁。

象辞说：天的运行刚健不辍，君子应当像天那样自强

不息。

【原文】

初九^①，潜龙勿用^②。

象曰：“潜龙勿用”，阳在下也^③。

【注释】

①初九：爻(yǎo)题。《易经》六十四卦。每卦六爻，每爻都有两个字组成的爻题，第一字表示爻的次序(亦称爻位)，六爻的次序自下而上，分别以初、二、三、四、五、上来表示。另一个字表示爻的性质和属性，奇数爻(—)用“九”字，因为在筮法中“九”为老阳之数；偶数爻(--)用“六”字，因为“六”在筮法中为老阴之数。初九表示为下面处于第一位的奇数爻。其余类推。

②潜龙勿用：潜，隐藏。勿用，不可有作为。

③阳在下也：意思是阳刚处在最下面的初爻。

【大意】

初九爻，是龙潜藏于水下之象，不可有所作为。

· 象辞说：“潜龙勿用”，是因为阳刚处在卦的最下面。

【原文】

九二，见龙在田^①，利见大人^②。

象曰：“见龙在田”，德普施^③也。

【注释】

①见龙在田：见，通“现”，出现。田，指地上。

②大人：指有德或有一定地位的贵人。

③施：给予。

【大意】

九二爻，龙出现在地上，对贵人有利。

象辞说：“见龙在田”，君子欲普施其德。

【原文】

九三，君子终日乾乾^①，夕惕若^②。厉^③，无咎。

象曰：“终日乾乾”，反复其道也。

【注释】

①乾乾：读为惓惓（juān）。惓，忧愁的样子。

②夕惕若：夕，夜晚。惕，敬惧的样子。

③厉：危险。

【大意】

九三爻，君子整天忧愁戒惧，夜里也战战兢兢。好像很危险的样子，但不会有什么灾害。

象辞说：“终日乾乾”，是君子在反复检查自己的君子之道。

【原文】

九四，或跃在渊^①，无咎。

象曰：“或跃在渊”，进无咎也。

【注释】

①或跃在渊：即或跃或在渊，或为副词，表示审时度势，看情况再决定行止。《易经》惯例，认为第三、第四爻位置比较难处。三位在下卦之上，四位在上卦之下容易下受抗，上受压。本句中的“或”字，就是针对这种处境说的。

【大意】

九四爻，龙跃入深渊中，没有什么灾害。

象辞说：“或跃在渊”，是说即使进入也没有什么灾害。

【原文】

九五，飞龙在天^①，利见大人。

象曰：“飞龙在天”，大人造^②也。

【注释】

①飞龙在天：每卦六爻，下二爻属地位，中间二爻为人位，上面二爻属天位。“龙”进于第五爻，在天位，为飞龙之象。

②造：造就，作为。

【大意】

九五爻，现在龙已经飞升到了天上，对贵人有利。

象辞说：“飞龙在天”，比喻君子大有作为。

【原文】

上九，亢龙^①，有悔^②。



象曰：“亢龙，有悔”，盈^③不可久也。

【注释】

①亢龙：亢，极、高、满。由于“龙”已上升到极高的位置，不知进退则会物极必反，将会陷于困厄，故称“亢龙”。

②有悔：在《易经》中，“悔”指致成悔恨，值得担心的困厄之后果或境地，其害处比作为灾祸的“咎”、“凶”要轻。

③盈：满。

【大意】

上九爻，处于极高位置的龙，必将造成追悔之事。

象辞说：“亢龙，有悔”，是说过于骄傲自满是不可能持久的。

【原文】

用九^①，见群龙无首，吉^②。

象曰：“用九”，天德不可为首也。

【注释】

①用九：在《易经》中，本来每卦只有六爻，但乾卦多一爻“用九”，坤卦多一爻“用六”，因为乾坤两卦是全阳全阴。古人占筮时，占得一卦，又占变爻。一个卦的卦画，只要变动一爻，就成为了另外一卦的卦画。如䷀（乾卦）的第六爻变为阴爻，就成为了䷆（夬卦）。在这种情



况下，往往就引用乾卦中的第六爻（上九）来判断吉凶。如果遇上乾卦䷀六爻全变，就成了坤卦䷁，这时就往往用乾卦的第七爻来论吉凶。所以“用九”就是表示全阳爻尽变为阴爻，即乾卦变为坤卦，“用六”就是表示全阴爻尽变为阳爻，即坤卦变为乾卦。而这种六爻全变的现象是在别的卦中所没有的，所以六十四卦中只有乾坤两卦各多了一爻。

②吉：吉利。

【大意】

用九爻，群龙并出，吉利。

象辞说：“用九”，是说君子并出，只要他们能秉行天德，就能吉利。

【原文】

文言曰^①：元者，善之长者；亨者，嘉之会也；利者，义之和也；贞者，事之干^②也。君子体仁足以长人，嘉会足以合礼，利物足以合义，贞固足以干事。君子行此四德者，故曰“乾，元亨利贞。”

【注释】

①《文言》为《易传》中的《十翼》之一，相传为孔子所作，其内容是专门解释乾、坤二卦的义理。

②干：主干、根本。

【大意】

文言说：元，是美善的尊长，亨，是完美的聚会；利，是仁义的和合；贞，是处事的根本。君子以仁心为本体，所以足可以为人们的尊长；寻求完美的聚会，所以足可以合乎礼仪；施利于他物，所以足可以合乎道义；坚守正固的操行，所以足可以处理好事务。君子实行了这四种美德，所以说：“乾，元亨利贞。”

【原文】

初九曰：“潜龙勿用”，何谓也？
子曰：龙德而隐者也。不易乎世，不成乎名，遁^①世无闷，不见是而无闷。乐则行之，忧则违之。确乎其不可拔^②，潜龙也。

【注释】

①遁（dùn）：逃避。

②拔：改变，动摇。

【大意】

初九的爻辞说：“潜龙勿用”，说的是什么意思呢？孔子说：这是指具有龙的刚建德性而隐舍不露的人。他们不因时世而改变自己的志节，也不急于成就自己的功名，避世隐居而不苦闷，不被人称许也不烦闷。使内心感到快乐的事就去做，使内心感到忧郁的事就不做。坚定地保持正固而不可动摇，这就是所说的“潜龙”。